Surya Kiran Aerobatic Show and Sarang Helicopter Show at Jal Mahal, Jaipur.

On 22 February at the pal (embankment) of Jal Mahal in Jaipur were held the Surya Kiran Aerobatic Display and the Sarang Helicopter Display of the Indian Air Force in the presence of Governor Haribhau Bagade and Chief Minister Bhajanlal Sharma. The Chief Minister hailed the Air Force courage, bravery and their technical expertise as the event that brought pride to Jaipur. The success of this programme he said followed the successful Army Day parade which demonstrated the state of Jaipur as being ready to host national level events. The Aerobatic Display during the Surya Kiran in Jaipur was also meant to enhance the bonding between the civil and military to motivate young people to take up defence services.

Key Highlights

- Venue: Jal Mahal's pal, Jaipur
- Date: 22 February
- Display groups: Surya Kiran Aerobatic Team and Sarang Helicopter Display Team.
- Themes: Air Force proficiency display, national pride and young generation motivation to defence services.
- Civil-military link: Civic contact and partying atmosphere following the exhibition.

The Chief Minister has made the following statements.

- Praised the Air Force in terms of its valour, discipline and technical excellence.
- termed it a proud moment to Jaipur, particularly, that followed the Army Day parade.
- Attributed national leadership to increased prestige of military.
- Cited Balakot air strike and Operation Sindoor as examples of Air Force strength and good national security.
- Marked the Air Force as a contributor in matters of borders like assistance in the event of natural calamities and pandemics.

Details of Aerial Display in Jal Mahal.

Sarang helicopter display formations represent a type of art and design that is created using the shape of the helicopter.

- Sarang Split
- Arrowhead
- Dolphin Leap
- Level Cross
- High Speed Cross
- Cross Over Break
- Diamond
- Inverted Wine Glass

In Surya Kiran Aerobatic Team, there are several formations of the team.

- Inverted Run
- Barrel Roll
- Bomb Burst
- DNA Structure formation
- The shape of a heart as a welcome to Jaipur.

Audience appeal: Cockpit calls of “Khamma Ghani” and “Ram-Ram Sa”

Local Presence in the Surya Kiran Team.

Three Jaipur pilots were in the limelight:

- Wing Commander Rajesh Kajla
- Ankit Vashishth, Wing Commander.
- Senior Petty Officer, Squadron Leader Sanjesh Singh.
- Their success was attributed to years of toil, discipline and great ability.

Key Dignitaries Present

- Deputy Chief Minister : Diya Kumari.

RASonly

- Chief Secretary :cV. Srinivas
- Rajeev Kumar Sharma is the director general of police.
- Air Marshal Tejinder Singh is the Air Officer Commanding-in-Chief of the South Western Air Command.Sapta Shakti Command: Army Commander, and Lieutenant General, Manjinder Singh.
- Other representatives of the public, authorities and a huge crowd.

Conclusion

The Surya Kiran Aerobatic Show and Sarang Helicopter Show in Jal Mahal further increased confidence of the people in defence strength of India and the connection between the citizens and the army. These are also events that provide a platform to motivate the youth and civic pride and even public education on the broader aspect of the Air Force in security, emergencies and national service. Written in the typical SEO format content.

MCQs (RAS Prelims Pattern)

MCQ 1

Q. Surya Kiran Aerobatic Display and Sarang Helicopter Display programme was arranged at:

(a) Rajasthan international centre, Jaipur.

pal (embankment) of Jal Mahal Jaipur.

(c) Jantar Mantar, Jaipur

(d) Albert Hall complex , Jaipur

Answer: (b)

Description: The show was conducted in the pal of Jal Mahal in Jaipur, where both Surya Kiran and Sarang teams had to do aerial formations.

MCQ 2

Q. What were the following dignitaries who attended the Jal Mahal aerial display?

(a) Governor Haribhau Bagade and Chief Minister Bhajanlal Sharma.

(b) Prime Minister of India and President of India.

(c) Chief Justice of India and Speaker of Lok Sabha.

(d) RBI Governor and SEBI Chairperson.

Answer: (a)

RASonly

Explanation: Chief Minister Bhajanlal Sharma was present at the event in the company of Governor Haribhau Bagade.

MCQ 3

Consider the following statements regarding the aerial show at Jal Mahal:

1. Sarang team invented the formations such as Arrowhead, Diamond and Inverted Wine Glass.

2. Surya Kiran team developed such formations as Barrel Roll, Bomb Burst, and a heart shape.

3. The cockpit names Khamma Ghani and Ram-Ram Sa were included in the attraction.

Which of the above-presented statements is/are correct?

(a) 1 only

(b) 1 and 2 only

(c) 2 and 3 only

(d) 1, 2 and 3

Answer: (d)

The listed formations were involved in the event by Sarang and Surya Kiran and the cockpit calls were one of the primary points of appeal to the audience.

जयपुर–जलमहल पर सूर्यकिरण एरोबैटिक शो एवं सारंग हेलिकॉप्टर शो

22 फरवरी को जयपुर में जलमहल की पाल पर भारतीय वायुसेना का **सूर्यकिरण एरोबैटिक डिस्प्ले** एवं **सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले** आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल **हरिभाऊ बागडे** तथा मुख्यमंत्री **भजनलाल शर्मा** उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने वायुसेना के साहस, शौर्य और तकनीकी दक्षता की सराहना करते हुए इसे जयपुर के लिए गर्व का अवसर बताया। उन्होंने कहा कि सफल **आर्मी डे परेड** के बाद यह आयोजन जयपुर की राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों की मेजबानी की तैयारी को दर्शाता है। इस प्रदर्शन का उद्देश्य नागरिक–सैन्य संबंधों को मजबूत करना तथा युवाओं को रक्षा सेवाओं की ओर प्रेरित करना भी रहा।

RASonly

प्रमुख बिंदु

- **स्थान:** जलमहल की पाल, जयपुर
- **तिथि:** 22 फरवरी
- **डिस्प्ले दल:** सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम एवं सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम
- **थीम:** वायुसेना की दक्षता का प्रदर्शन, राष्ट्रीय गौरव, तथा युवाओं को रक्षा सेवाओं के लिए प्रेरणा
- **नागरिक–सैन्य जुड़ाव:** प्रदर्शन के बाद जनसंपर्क और उत्सवपूर्ण माहौल

मुख्यमंत्री के प्रमुख वक्तव्य

- वायुसेना के **पराक्रम, अनुशासन और तकनीकी उत्कृष्टता** की प्रशंसा की।
- आर्मी डे परेड के बाद इस आयोजन को जयपुर के लिए विशेष गर्व का विषय बताया।
- राष्ट्रीय नेतृत्व के कारण सेना के गौरव में वृद्धि की बात कही।
- **बालाकोट एयर स्ट्राइक** और **ऑपरेशन सिंदूर** को वायुसेना की क्षमता तथा राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूती के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया।
- सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ **प्राकृतिक आपदाओं** और **महामारी** के समय सहायता में वायुसेना की भूमिका को रेखांकित किया।

जलमहल में हवाई प्रदर्शन के विवरण

सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले की प्रमुख आकृतियाँ

सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने हेलिकॉप्टर के आकार और समन्वय आधारित विविध आकृतियों के माध्यम से प्रदर्शन किया।

- सारंग स्प्लिट
- एरोहैड
- डॉल्फिन लीप
- लेवल क्रॉस
- हाई स्पीड क्रॉस
- क्रॉस ओवर ब्रेक
- डायमंड
- इन्वर्टेड वाइन ग्लास

सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम की प्रमुख आकृतियाँ

सूर्यकिरण टीम ने अनेक एरोबैटिक संरचनाएँ प्रस्तुत कीं।

RASonly

- इन्वर्टेड रन
- बैरल रोल
- बॉम्ब बर्स्ट
- डीएनए संरचना (डीएनए स्ट्रक्चर)
- जयपुर के स्वागत में **दिल (हार्ट) की आकृति**
- **जन-आकर्षण:** प्रदर्शन के दौरान कॉकपिट से **"खम्मा घणी"** और **"राम-राम सा"** की पुकार सुनाई दी।

सूर्यकिरण टीम में स्थानीय उपस्थिति

सूर्यकिरण टीम में जयपुर के तीन पायलट विशेष रूप से चर्चा में रहे—

- विंग कमांडर **राजेश काजला**
- विंग कमांडर **अंकित वशिष्ठ**
- स्क्वॉड्रन लीडर **संजेश सिंह**
  इनकी उपलब्धि को वर्षों की मेहनत, अनुशासन और असाधारण कौशल का परिणाम बताया गया।

उपस्थित प्रमुख अतिथि

- उपमुख्यमंत्री **दिया कुमारी**
- मुख्य सचिव **वी. श्रीनिवास**
- पुलिस महानिदेशक **राजीव कुमार शर्मा**
- दक्षिण पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ **एयर मार्शल तेजिंदर सिंह**
- सप्तशक्ति कमान के सेना कमांडर **लेफ्टिनेंट जनरल मनजिन्दर सिंह**
- अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन

निष्कर्ष

जलमहल पर आयोजित सूर्यकिरण एरोबैटिक शो और सारंग हेलिकॉप्टर शो ने भारत की रक्षा क्षमता के प्रति जनविश्वास को मजबूत किया तथा नागरिकों और सशस्त्र बलों के बीच संबंधों को और सुदृढ़ किया। ऐसे आयोजन युवाओं को प्रेरित करने, नागरिक गौरव बढ़ाने और सुरक्षा, आपात स्थितियों तथा राष्ट्रीय सेवा में वायुसेना की व्यापक भूमिका के प्रति जनजागरूकता फैलाने का प्रभावी माध्यम बनते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (RAS प्रीलिम्स पैटर्न)

MCQ 1

RASonly

प्र. सूर्यकिरण एरोबैटिक डिस्प्ले और सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले कार्यक्रम कहाँ आयोजित किया गया?
(a) राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर
(b) जलमहल की पाल, जयपुर
(c) जंतर-मंतर, जयपुर
(d) अल्बर्ट हॉल परिसर, जयपुर
उत्तर: (b)
व्याख्या: यह कार्यक्रम जयपुर में जलमहल की पाल पर आयोजित हुआ, जहाँ सूर्यकिरण और सारंग दोनों टीमों ने हवाई आकृतियों का प्रदर्शन किया।

MCQ 2

प्र. जलमहल के हवाई प्रदर्शन कार्यक्रम में निम्न में से कौन-से प्रमुख अतिथि उपस्थित थे?
(a) राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा
(b) भारत के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति
(c) भारत के मुख्य न्यायाधीश और लोकसभा अध्यक्ष
(d) आरबीआई गवर्नर और सेबी चेयरपर्सन
उत्तर: (a)
व्याख्या: कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की उपस्थिति में शिरकत की।

MCQ 3

प्र. जलमहल के हवाई प्रदर्शन के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए:

- सारंग टीम ने एरोहैड, डायमंड और इन्वर्टेड वाइन ग्लास जैसी आकृतियाँ बनाईं।
- सूर्यकिरण टीम ने बैरल रोल, बॉम्ब बर्स्ट तथा दिल (हार्ट) की आकृति बनाई।
- "खम्मा घणी" और "राम-राम सा" की पुकार दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रही।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3
उत्तर: (d)
व्याख्या: कार्यक्रम में सारंग और सूर्यकिरण दोनों टीमों द्वारा बताई गई आकृतियाँ बनाई गईं, तथा कॉकपिट से "खम्मा घणी" और "राम-राम सा" की पुकार दर्शकों के लिए प्रमुख आकर्षण रही।

RASonly

Kota Mahotsav 2026- Chambal Maha Aarti and Deepdaan at Chambal Riverfront.

In 2026, there was a great Chambal Maha Aarti on the evening of Sunday (22 February) at the western ghad of Chambal Riverfront. The Lok Sabha Speaker Om Birla attended the ritual together with some representatives of the population and high officials. The show was shown with Deepdaan in the Chambal River where 10,000 earthen lamps and 10,000 flour lamps were lit in rows on the ghat. The Chambal Maha Aarti was conducted with Vedic chanting, led by a team of priests and attracted thousands of devotees and was a significant spiritual and cultural event of the second day of the festival.

Key Highlights

- Event: Deepdaan and Chambal Maha Aarti.
- Context of the festival: 2 nd day Kota Mahotsav 2026.
- Venue: Western ghat, Chambal Riverfront, Kota.
- 10,000 earthen lamps + 10,000 flour lamps = - deepdaan scale.
- Participation of the people: Thousands of fans were present at the event and lit their lamps in the river.

Major Actors and Stakeholders.

- Om Birla, Lok Sabha Speaker
- Hiralal Nagar is the Energy Minister.
- Sandeep Sharma MLA (Kota South)
- Rakesh Jain the President of the City District.

- Anil Kumar Agrawal Divisional Commissioner.
- Piyush Samariya, District Collector

Other participants were:

- Hotel Federation (Kota Division) President, Ashok Maheshwari.
- Avinash Rathi, the President, Grain and seeds merchant association.
- Krishna Shukla, ADM (Ceiling)
- Anil Singhal, ADM (City)

Ritual and cultural programme: Ritual and culture programme includes organizing workshops, programs, and other activities that will enable children and their families to understand the significance of diverse cultures and appreciate them.

Priestly Ritual

- Acharya Pandit Sanjay Chaturvedi also led the aarti.
- The ceremony was done by a group of 21 other priests who were chanting the mantras.
- The 10 th week was dedicated to a cultural evening at the Riverfront.
- This cultural evening started with Ganesh Vandana.
- The performances were made by the Police and RAC band.

The Community Link and Organisation is part of the intended battle against inequality.

- It is the Chambal Maha Aarti organized by the Kota Grain and seeds merchant association.
- Following the aarti, Deepdaan, made the western ghad into a highly spiritual environment where lit rows of lamps were set and the people participated in it through lamp-floating.

MCQs (RAS Prelims Pattern)

MCQ 1

Q. Chambal Maha Aarti held under Kota Mahotsav 2026 was held at:

(a) Kota, Kishore Sagar Lake ghat.

(b) Eastern front of Chambal River, Kota.

(c) Kota Western ghad of Chambal Riverfront.

(d) Jawahar Sagar Dam site, Kota

Answer: (c)

RASonly

Explanation: In Kota, the Chambal Riverfront, the western ghad, on the second day of Kota Mahotsav 2026, the event happened.

MCQ 2

In the Deepdaan of the Chambal Maha Aarti eat take the following statements into account:

1. Deepdaan made 10,000 earthen lamps and 10,000 lamps of flour.

2. Lamps were floated along the Chambal River by the devotees after the aarti.

Which one/s of the statements provided above are correct?

(a) 1 only

(b) 2 only

(c) Both 1 and 2

(d) Neither 1 nor 2

Answer: (c)

Explanation : The programme featured Deepdaan where 10,000 earthen and 10,000 flour lamps were used and people showed their commitment by floating lamps in the Chambal River.

MCQ 3

Q. Which one of these best fits the description of the event coupled with the organiser?

1) Chambal Maha Aarti -Kota Grain Merchant Association and Seeds.

(b) Hotel Federation (Kota Division) Chambal Maha Aarti.

(c) Chambal Maha Aarti — Police and RAC Band Committee.

(d) Chambal Maha Aarti -District Administration, Kota (single organiser)

Answer: (a)

Explanation : Chambal Maha Aarti was held by the Kota Grain and Seeds Merchant Association, and the cultural evening featured such performances as Ganesh Vandana and performance of the Police and RAC band.

RASonly

कोटा महोत्सव 2026—चंबल रिवर फ्रंट पर चंबल महाआरती एवं दीपदान

2026 में रविवार (22 फरवरी) की शाम को **चंबल रिवर फ्रंट के पश्चिमी घाट** पर भव्य **चंबल महाआरती** का आयोजन हुआ। इस अनुष्ठान में **लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला** ने जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम में चंबल नदी में **दीपदान** किया गया, जिसमें घाट पर **10,000 मिट्टी के दीप** और **10,000 आटे के दीप** पंक्तियों में जलाए गए। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पुजारियों के समूह द्वारा कराई गई इस महाआरती में **हजारों श्रद्धालु** शामिल हुए और यह महोत्सव के दूसरे दिन का एक प्रमुख आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन बना।

प्रमुख विशेषताएँ

- **आयोजन:** चंबल महाआरती एवं दीपदान
- **महोत्सव सन्दर्भ:** कोटा महोत्सव 2026 का दूसरा दिन
- **स्थान:** चंबल रिवर फ्रंट, पश्चिमी घाट, कोटा
- **दीपदान का स्तर:** 10,000 मिट्टी के दीप + 10,000 आटे के दीप
- **जनभागीदारी:** हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे और नदी में दीप प्रवाहित कर श्रद्धा व्यक्त की

प्रमुख सहभागी और हितधारक

- **ओम बिरला** — लोकसभा अध्यक्ष
- **हीरालाल नागर** — ऊर्जा मंत्री
- **संदीप शर्मा** — विधायक (कोटा दक्षिण)
- **राकेश जैन** — शहर जिलाध्यक्ष
- **अनिल कुमार अग्रवाल** — संभागीय आयुक्त
- **पीयूष समारिया** — जिला कलेक्टर

अन्य प्रतिभागी:

- **अशोक मांहेश्वरी** — अध्यक्ष, होटल फेडरेशन (कोटा संभाग)
- **अविनाश राठी** — अध्यक्ष, ग्रेन एंड सीड्स मर्चेंट एसोसिएशन
- **कृष्णा शुक्ला** — एडीएम (सीलिंग)
- **अनिल सिंघल** — एडीएम (सिटी)

अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम

पुरोहितीय अनुष्ठान

- **आचार्य पंडित संजय चतुर्वेदी** ने महाआरती का नेतृत्व किया।
- मंत्रोच्चारण के साथ **21 अन्य पंडितों** के समूह ने आरती सम्पन्न कराई।

RASonly

रिवर फ्रंट पर सांस्कृतिक संध्या

- सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत **गणेश वंदना** से हुई।
- इसके बाद **पुलिस एवं आरएसी बैंड** द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं।

आयोजन और सामुदायिक जुड़ाव

- **चंबल महाआरती का आयोजन कोटा ग्रेन एंड सीड्स मर्चेंट एसोसिएशन द्वारा किया गया।**
- आरती के बाद दीपदान ने पश्चिमी घाट को आध्यात्मिक वातावरण से भर दिया, जहाँ दीपों की जगमगाहट के बीच आमजन ने चंबल नदी में दीप प्रवाहित कर सहभागिता की।

बहुविकल्पीय प्रश्न (RAS प्रीलिम्स पैटर्न)

MCQ 1

प्र. कोटा महोत्सव 2026 के अंतर्गत चंबल महाआरती कहाँ आयोजित हुई?
(a) किशोर सागर झील घाट, कोटा
(b) चंबल रिवर फ्रंट का पूर्वी घाट, कोटा
(c) चंबल रिवर फ्रंट का पश्चिमी घाट, कोटा
(d) जवाहर सागर बाँध स्थल, कोटा
उत्तर: (c)
व्याख्या: कोटा महोत्सव 2026 के दूसरे दिन चंबल महाआरती चंबल रिवर फ्रंट के पश्चिमी घाट पर आयोजित हुई।

MCQ 2

प्र. चंबल महाआरती के दीपदान के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए:

- दीपदान में 10,000 मिट्टी के दीप और 10,000 आटे के दीप उपयोग किए गए।
- आरती के बाद श्रद्धालुओं ने चंबल नदी में दीप प्रवाहित किए।
  उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
  (a) केवल 1
  (b) केवल 2
  (c) 1 और 2 दोनों
  (d) न तो 1, न ही 2
  उत्तर: (c)
  व्याख्या: कार्यक्रम में 10,000 मिट्टी और 10,000 आटे के दीपों के साथ दीपदान किया गया तथा आरती के बाद श्रद्धालुओं ने चंबल नदी में दीप प्रवाहित कर श्रद्धा प्रकट की।

MCQ 3

प्र. निम्न में से कौन-सा युग्म आयोजन और उसके आयोजक के रूप में सही है?
(a) चंबल महाआरती — कोटा ग्रेन एंड सीड्स मर्चेंट एसोसिएशन
(b) चंबल महाआरती — होटल फेडरेशन (कोटा संभाग)

RASonly

(c) चंबल महाआरती — पुलिस एवं आरएसी बैंड समिति
(d) चंबल महाआरती — जिला प्रशासन, कोटा (एकमात्र आयोजक)
उत्तर: (a)
व्याख्या: चंबल महाआरती का आयोजन कोटा ग्रेन एंड सीड्स मर्चेंट एसोसिएशन द्वारा किया गया, जबकि सांस्कृतिक संध्या में गणेश वंदना तथा पुलिस एवं आरएसी बैंड की प्रस्तुतियाँ भी शामिल रहीं।

Jaipur Lisoda Promotion of One District One Plant Species Campaign and Panch Gaurav Yojana.

Jaipur is becoming a major district of the Lisoda conservation and promotion under the One district-One Plant Species campaign of Rajasthan. With the leadership of the Chief Minister Bhajanlal Sharma, the campaign has been gaining momentum and organized campaigns on the district level to increase the green cover, protect local biodiversity and provide livelihood opportunities. Jaipur led by a District Collector District Collector Dr Jitendra Kumar Soni is working on multi-dimensional projects that connect the multi-dimensional promotion of Lisoda with environmental results and rural incomes. The district administration is integrating plantation objectives, community involvement, and market-oriented practices such that the goal of ecology and the local economic sustainability is supported by Lisoda conservation.

The main characteristics of the Jaipur Promotion Drive Lisoda are as follows.

1. **Sapling planting and supply**: Nurseries of the Forest Department had prepared 1,20,000 Lisoda saplings which were planted in the district in the months of July 2025-September 2025.
2. **Panchayat level plantation support**: 485 Panchayat plant nurseries were also made and Lisoda saplings were planted.
3. **Target of homogeneous plantation:** There is a target of 100 Lisoda saplings per area of each Gram Panchayat, Nagar Parishad and Nagar Palika.
4. **Identification of land and proposals**: Sub-divisional officers were presented with the question of identifying land and proposing it.
5. **Public participation and dense plantation:** According to a species-and-produce conservation and promotion campaign, the area of dense plantation was to be located on 110.34 hectares.
6. **Local impact**: It is projected that plantation and growth on a gram panchayat level will contribute to the protection of the environment, job creation, and higher local income.

Objectives and Benefits

Objectives

- Conserve and plant trees in the local biodiversity and increase green cover.
- Enhance community engagement by organizing community planning and plantation on designated land.
- Promotion of Link Lisoda with livelihood generation through product based value addition.

Benefits

- Helps to protect environment and rural economic empowerment.
- Provides livelihood and community involvement in the Lisoda activities.
- To support district-level activities in line with the goals of the green budget and the concept of the sustainable development goals.

Support of Budgets under Panch Gaurav Yojana.

- Total allocation: 90 lakh on activities of Panch Gaurav Yojana in the district.
- Awareness and outreach attention: Extensive publicity using flex, print, electronic media and visual aids to bring out the utility and significance of Lisoda.
- Women SHGs linkage: provision of 10 lakh- Allow women self-help groups operating locally to have the connections to avail livelihood opportunities based on Lisoda-made products.

RASonly

- Popularisation of the market activities: 10 lakh to hold the exhibitions, plays on the streets, meeting of the buyers and sellers and similar activities to create awareness and demand.
- Combined promotion package: 25 lakh: to do GI tagging, data collection and computerisation, brand building, packaging, retailing and online marketing.
- Nursery strengthening: ₹40 lakh is to be used in construction and upgrades of nursery, such as in vermicompost beds, sprinkler systems, shade net houses, mother beds, seed stores, and fencing, to make healthy and quality saplings available.

Conclusion

The Lisoda-centered strategy of One District -One Plant Species in Jaipur is integrating the growth of plantations, community involvement, and market facilitation to achieve environmental and livelihoods. Having planned goals, with known plantation area and specific investments under Panch Gaurav Yojana, the district is making Lisoda promotion a feasible instrument of biodiversity conservation and economic empowerment of the rural areas. Public awareness and the benefits of a workshop and awareness programmes are strengthening the knowledge of the society on the Lisoda medicinal, environmental and economic usefulness.

MCQs (RAS Prelims Pattern)

MCQ 1

Consider the following statements concerning the Lisoda initiative in Jaipur:

1. In July and September 2025, Forest Department nurseries readied 1, 20, 000 Lisoda saplings and gave them out.

2. One District-One Plant Species is a promotion campaign under which Lisoda is being promoted in Jaipur.

(a) 1 only

(b) 2 only

(c) Both 1 and 2

(d) Neither 1 nor 2

Answer: (c)

Explanation : Jaipur was giving 1,20,000 Lisoda saplings in the months of July to September 2025 and marketing Lisoda as a part of One District-One Plant Species campaign.

RASonly

MCQ 2

Q. The state of Jaipur under Panch Gaurav Yojana has given 40 lakh majorly towards:

(a) Exhibitions, street performances, and buyer-seller conferences.

(b) Branding, GI tagging, packaging, retail promotion and online promotion.

(c) Strengthening and construction of nursery including vermicompost beds, sprinkler systems.

(d) Pairing women SHGs in the case of Lisoda livelihood products.

Answer: (c)

Reason: 40 lakh will be used to fortify Forest Department nurseries, such as infrastructures and support systems to provide quality saplings.

MCQ 3

Q. What is correct regarding the implementation targets and land coverage in Jaipur Lisoda drive?

(a) 110.34 hectares were to be determined as dense plantation, and 100 Lisoda sapling per Gram Panchayat, Nagar Parishad and Nagar Palika area was to be determined.

(b) 485 hectares of dense plantation was to be identified and a target of 120 Lisoda saplings was to be established in each Gram Panchayat only.

(c) 1, 20, 000 hectares were recognized to be under plantation and hectares were supplied only by Panchayat nurseries.

(d) Only awareness, and not plantation, was found to be when used on 110.34 hectares.

Answer: (a)

Explanation: The drive had identified 110.34 hectares as dense plantation and had fixed a target of 100 Lisoda saplings to be fixed in each Gram Panchayat and every municipal area.

RASonly

एक जिला–एक वनस्पति प्रजाति अभियान एवं पंच गौरव योजना के अंतर्गत जयपुर में लिसोड़ा का संवर्धन

राजस्थान के **एक जिला–एक वनस्पति प्रजाति** अभियान के अंतर्गत जयपुर जिला **लिसोड़ा के संरक्षण, संवर्धन और प्रोत्साहन** में अग्रणी जिले के रूप में उभर रहा है। **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा** के नेतृत्व में इस अभियान को गति मिली है और जिले स्तर पर हरित आवरण बढ़ाने, स्थानीय जैव-विविधता का संरक्षण करने तथा आजीविका के अवसर विकसित करने हेतु योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। **जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी** के नेतृत्व में जयपुर जिला प्रशासन लिसोड़ा संवर्धन को पर्यावरणीय परिणामों और ग्रामीण आय-वृद्धि से जोड़ने वाली बहुआयामी पहलें लागू कर रहा है। जिला प्रशासन पौधरोपण लक्ष्यों, जनभागीदारी और बाजार-उन्मुख गतिविधियों का एकीकरण कर रहा है, ताकि लिसोड़ा संरक्षण से पारिस्थितिकी और स्थानीय आर्थिक स्थिरता दोनों को समर्थन मिले।

जयपुर में लिसोड़ा संवर्धन अभियान की मुख्य विशेषताएँ निम्न हैं–

- **पौधे तैयार करना और वितरण/रोपण:** वन विभाग की नर्सरियों में **1,20,000 लिसोड़ा पौधे** तैयार किए गए, जिन्हें **जुलाई 2025 से सितम्बर 2025** के बीच जिले में वितरित/रोपित किया गया।
- **पंचायत स्तर पर पौधशाला सहयोग: 485 पंचायत पौधशालाओं** में भी लिसोड़ा पौधे विकसित किए गए और रोपित किए गए।
- **एकरूप पौधरोपण लक्ष्य:** प्रत्येक **ग्राम पंचायत, नगरपरिषद और नगरपालिका** क्षेत्र में **100-100 लिसोड़ा पौधे** लगाने का लक्ष्य तय किया गया।
- **भूमि चिन्हांकन और प्रस्ताव:** उपखण्ड अधिकारियों को भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव आमंत्रित करने की व्यवस्था की गई।
- **जनभागीदारी और सघन पौधरोपण:** प्रजाति एवं उपज संरक्षण–संवर्धन अभियान के अंतर्गत **110.34 हेक्टेयर** भूमि पर **सघन पौधरोपण** हेतु क्षेत्र चिन्हित किया गया।
- **स्थानीय प्रभाव:** ग्राम पंचायत स्तर पर पौधों के विकास से **पर्यावरण संरक्षण, रोजगार सृजन और स्थानीय आय में वृद्धि** की संभावनाएँ बढ़ने का आकलन किया गया।

उद्देश्य और लाभ

उद्देश्य

- स्थानीय जैव-विविधता का संरक्षण करते हुए **हरित आवरण में वृद्धि** तथा पौधरोपण को बढ़ावा देना।
- चिन्हित भूमि पर नियोजित पौधरोपण के माध्यम से **समुदाय सहभागिता** को मजबूत करना।
- **उत्पाद-आधारित मूल्य संवर्धन** के जरिए लिसोड़ा को आजीविका सृजन से जोड़कर उसका प्रोत्साहन करना।

RASonly

लाभ

- पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ **ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण** को समर्थन मिलता है।
- लिसोड़ा आधारित गतिविधियों से **आजीविका के अवसर** और सामुदायिक भागीदारी बढ़ती है।
- **हरित बजट** की अवधारणा और **सतत् विकास लक्ष्यों** के अनुरूप जिला स्तर की पहलों को बल मिलता है।

पंच गौरव योजना के अंतर्गत बजट समर्थन

- **कुल आवंटन:** जिले में पंच गौरव योजना की गतिविधियों हेतु **90 लाख रुपये** का आवंटन।
- **जागरूकता और प्रचार-प्रसार:** फ्लेक्स, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और विजुअल एड्स के माध्यम से लिसोड़ा की उपयोगिता और महत्व का व्यापक प्रचार।
- **महिला स्वयं सहायता समूहों से जोड़ना: 10 लाख रुपये** का प्रावधान—स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों को लिसोड़ा आधारित उत्पादों से आजीविका अवसर देने के लिए।
- **बाजार लोकप्रियता गतिविधियाँ: 10 लाख रुपये**—प्रदर्शनियाँ, नुक्कड़ नाटक, क्रेता–विक्रेता बैठकें और समान आयोजनों के लिए, ताकि जागरूकता और मांग बढ़े।
- **समेकित प्रमोशन पैकेज: 25 लाख रुपये—जीआई टैगिंग, डाटा संकलन एवं कम्प्यूटरीकरण, ब्रांड निर्माण, पैकेजिंग, रिटेल और ऑनलाइन प्रचार** जैसी गतिविधियों हेतु।
- **नर्सरी सुदृढ़ीकरण: 40 लाख रुपये**—नर्सरी निर्माण और उन्नयन कार्यों हेतु, जिनमें **वर्मीकम्पोस्ट बेड, फव्वारा/स्प्रिंकलर प्रणाली, शेड नेट हाउस, मदर बेड, सीड स्टोर और फेंसिंग** शामिल हैं, ताकि स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण पौधे उपलब्ध कराए जा सकें।

निष्कर्ष

जयपुर में एक जिला–एक वनस्पति प्रजाति के अंतर्गत लिसोड़ा केंद्रित रणनीति पौधरोपण विस्तार, जनभागीदारी और बाजार-सहायता को एक साथ जोड़कर पर्यावरण और आजीविका से जुड़े लक्ष्यों को साध रही है। नियोजित लक्ष्य, चिन्हित सघन पौधरोपण क्षेत्र और पंच गौरव योजना के अंतर्गत विशिष्ट बजटीय प्रावधानों के माध्यम से जिला प्रशासन लिसोड़ा संवर्धन को जैव-विविधता संरक्षण और ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण का व्यवहारिक साधन बना रहा है। कार्यशालाओं और जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लिसोड़ा की औषधीय, पर्यावरणीय और आर्थिक उपयोगिता के प्रति समाज की समझ भी मजबूत हो रही है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (RAS प्रीलिम्स पैटर्न)

MCQ 1

प्र. जयपुर में लिसोड़ा पहल के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए:

- जुलाई से सितम्बर 2025 के बीच वन विभाग की नर्सरियों ने 1,20,000 लिसोड़ा पौधे तैयार कर वितरित/रोपित किए।

RASonly

- जयपुर में लिसोड़ा का संवर्धन एक जिला–एक वनस्पति प्रजाति अभियान के अंतर्गत किया जा रहा है।
  (a) केवल 1
  (b) केवल 2
  (c) 1 और 2 दोनों
  (d) न तो 1, न ही 2
  उत्तर: (c)
  व्याख्या: जयपुर में जुलाई से सितम्बर 2025 के दौरान 1,20,000 लिसोड़ा पौधे तैयार कर वितरित/रोपित किए गए तथा लिसोड़ा को एक जिला–एक वनस्पति प्रजाति अभियान के अंतर्गत प्रोत्साहित किया जा रहा है।

MCQ 2

प्र. पंच गौरव योजना के अंतर्गत जयपुर में 40 लाख रुपये का प्रावधान मुख्यतः किस उद्देश्य के लिए है?
(a) प्रदर्शनियाँ, नुक्कड़ नाटक और क्रेता–विक्रेता बैठकें
(b) ब्रांड निर्माण, जीआई टैगिंग, पैकेजिंग, रिटेल एवं ऑनलाइन प्रचार
(c) नर्सरी निर्माण/सुदृढ़ीकरण, जैसे वर्मीकम्पोस्ट बेड और फव्वारा/स्प्रिंकलर प्रणाली
(d) महिला स्वयं सहायता समूहों को लिसोड़ा आधारित आजीविका से जोड़ना
उत्तर: (c)
व्याख्या: 40 लाख रुपये वन विभाग की नर्सरियों को सुदृढ़ बनाने के लिए निर्धारित हैं, ताकि आवश्यक अवसंरचना और प्रणालियों के जरिए स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण पौधे उपलब्ध कराए जा सकें।

MCQ 3

प्र. जयपुर के लिसोड़ा अभियान में क्रियान्वयन लक्ष्यों और भूमि कवरेज के बारे में कौन-सा विकल्प सही है?
(a) 110.34 हेक्टेयर भूमि पर सघन पौधरोपण हेतु क्षेत्र चिन्हित किया गया और प्रत्येक ग्राम पंचायत, नगरपरिषद व नगरपालिका क्षेत्र में 100 लिसोड़ा पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया।
(b) 485 हेक्टेयर भूमि पर सघन पौधरोपण चिन्हित किया गया और केवल प्रत्येक ग्राम पंचायत में 120 पौधों का लक्ष्य तय किया गया।
(c) 1,20,000 हेक्टेयर भूमि को पौधरोपण क्षेत्र माना गया और पौधे केवल पंचायत पौधशालाओं से ही वितरित किए गए।
(d) 110.34 हेक्टेयर भूमि केवल जागरूकता गतिविधियों के लिए चिन्हित की गई, पौधरोपण के लिए नहीं।
उत्तर: (a)
व्याख्या: अभियान के तहत 110.34 हेक्टेयर भूमि पर सघन पौधरोपण हेतु क्षेत्र चिन्हित किया गया तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत और प्रत्येक नगरीय निकाय क्षेत्र में 100 लिसोड़ा पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

RASonly

Rajasthan Homestay (Paying Guest House) Scheme 2026- key norms, registration, and compliance framework.

The Rajasthan government has introduced the Rajasthan Homestay (Paying Guest House) Scheme 2026 and empowered its presence to ensure tourism-based growth, increase rural revolutions and ensure self employment. In line with the priorities of the state in relation to Ease of Doing Business and Ease of Living, the Rajasthan Homestay (Paying Guest House) Scheme 2026 simplifies the licensing and approvals process because it is more digital and fast. Another Chief Secretary (Tourism) Praveen Gupta associated the scheme with Deregulation 2.0 strategy in India as well as decentralization of tourism activity outside traditional hubs. Residents also have an opportunity to sell part of their home/property to the tourist, allowing the small investors, rural families and women entrepreneurs to be directly

involved in the tourism business in addition to providing the visitor with a local cultural experience.

Essential aspects of the Rajasthan homestay (Paying Guest House) Scheme 2026.

1. **Capacity norms changed**: Maximum number of rooms that could be occupied in a unit was raised: 5 to 8; maximum amount of bed capacity was set to 24.
2. **State wide implementation**: Implemented in Rajasthan immediately.
3. **Streamlined approvals**: Cutting-edge licensing requirement, cut back of documents and one-window style facilitation and quicker processing.
4. **Flexible operations:** Previous need of the owner/family living on the premises has been eliminated. It can be operated by the owner, lessee or a designated caretaker as it is in the norms.
5. **Digitisation and schedules**: Registration will be done online; applications will facilitate:

- Registration in 7 working days, which can be temporary, and operations may start.
- Permanent registration on inspection, 2 years on receipt of permanent registration.
- In case the certificate is not granted within the stipulated period, the application is considered to be deemed registered.
- Decentralised access: Registration at local Tourism Department offices; the rural homeowners may be registered at the Tourist Reception Centres (TRCs) close to their place of residence.
- Mandatory minimum facilities: It is a fully residential facility with each rented room equipped with attached bathroom/toilet, sufficient supply of water/electricity, ventilation, cleanliness and fire safety measures, it has a parking and waste disposal facility as required by local bodies.
- Compliance of the foreign tourists: The details of all foreign tourists should be provided to the authority concerned; a guest register should be retained at least 7 years.

Two categories:

- Silver: Registration fee ₹1,000
- Gold: The cost of registration is 2000, but the priority is given to AC/heating, internet, upgraded furnitures, smoke detectors, and security systems.
- Breakfast rule: When breakfast is covered by tariff no extra charge may be made; this must be clearly stated.

RASonly

Objectives and Benefits

Objectives

- Decentralise tourism activities and bridge the rural areas and the tourism demand.
- Strengthening the rural economy through empowerment of small-scale tourism entrepreneurship.
- Lowering friction in procedures with simplified, time-constrained, and digital-first registration.

Benefits

- Increased number of people accommodated without losing a home-like atmosphere.
- Expanded inclusion of small investors, rural families and women-owned businesses.
- Extra revenues to the locals and more local-culture to the tourists.
- Better tourism employment relationship via easier entry and smooth operations.

Conclusion

The scheme 2026, the Rajasthan Homestay (Paying Guest House) Scheme, is a size increase in terms of room/bed capacity, the lack of a mandatory on-site owner residence requirement, and a move towards the full online processing of the scheme. The scheme will make participation in tourism decentralised, with clarity of facilities and compliance norms to widen, improve the livelihood of rural people, and enhance the operating environment of small hospitality units throughout Rajasthan.

MCQs (RAS Prelims Pattern)

MCQ 1

Q. With regard to the following statements regarding the Rajasthan Homestay (Paying Guest House) Scheme 2026:

1. The highest allowed number of rooms per homestay unit is 8 and maximum capacity of the bed is 24.

2. The scheme still has the mandatory requirement that the owner or a member of the family should live on the premises.

(a) 1 only

(b) 2 only

RASonly

(c) Both 1 and 2

(d) Neither 1 nor 2

Answer: (a)

Explanation : The plan can accommodate 8 rooms and 24 beds, and it eliminates the on-site owner/family residence requirement.

MCQ 2

Q. In the registration process of the scheme, what is correct?

(a) Interim registration within 3 months, final registration within 7 working days, period of registration 5 years.

(b) Provisional registration within 7 working days; final registration after inspection within 3 months; term 2 years.

(c)Registration on temporary basis after inspection; permanent after 2 years.

(d) Temporary registration No; operation commences only upon permanent certificate.

Answer: (b)

Explanation : Temporary registration is granted in 7 working days, permanent registration in 3 months, and validity in two years.

MCQ 3

Q. Which under the scheme are the right pairs?

(a) Silver—₹2,000; Gold—₹1,000

(b) Silver—₹1,000; Gold—₹2,000

(c) Silver—₹500; Gold—₹1,000

(d) Silver—₹2,500; Gold—₹5,000

Answer: (b)

Explanation : The scheme has two categories of homestays- Silver (1000) and Gold (2000), where Gold has more facilities included as AC/heating, internet, smoke detector, and security facilities.

RASonly

राजस्थान होमस्टे (पेईंग गेस्ट हाउस) योजना–2026—मुख्य मानक, पंजीकरण प्रक्रिया एवं अनुपालन ढांचा

राजस्थान सरकार ने **राजस्थान होमस्टे (पेईंग गेस्ट हाउस) योजना–2026** लागू की है, जिसका उद्देश्य पर्यटन आधारित विकास को बढ़ावा देना, ग्रामीण आय में वृद्धि करना और **स्वरोज़गार** के अवसर सृजित करना है। राज्य की *ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस* और *ईज ऑफ लिविंग* की प्राथमिकताओं के अनुरूप यह योजना लाइसेंसिंग और मंजूरी प्रक्रिया को अधिक **डिजिटल, तेज़ और सरल** बनाती है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (पर्यटन) **प्रवीण गुप्ता** ने इसे भारत सरकार के **डिरेगुलेशन 2.0** उपायों तथा पारंपरिक पर्यटन केंद्रों के बाहर पर्यटन गतिविधियों के **विकेन्द्रीकरण** से जोड़कर देखा। योजना के तहत राज्य के निवासी अपने घर/संपत्ति के कुछ कमरों को पर्यटकों के ठहरने हेतु उपलब्ध करा सकते हैं, जिससे छोटे निवेशक, ग्रामीण परिवार और महिला उद्यमी पर्यटन से सीधे जुड़कर लाभ ले सकेंगे और पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति का अनुभव मिलेगा।

राजस्थान होमस्टे (पेईंग गेस्ट हाउस) योजना–2026 की प्रमुख बातें

- **क्षमता मानकों में बदलाव:** प्रति इकाई अनुमत कमरों की अधिकतम संख्या **5 से बढ़ाकर 8** कर दी गई है तथा अधिकतम **बेड क्षमता 24** निर्धारित की गई है।
- **प्रदेशव्यापी लागू:** योजना राजस्थान में **तत्काल प्रभाव से** लागू की गई है।
- **सरलीकृत मंजूरी:** लाइसेंसिंग की जटिलता कम, दस्तावेज़ कम, **एकल-विंडो** जैसी सुविधा और तेज़ प्रोसेसिंग।
- **संचालन में लचीलापन:** परिसर में स्वामी/परिवार के अनिवार्य निवास की शर्त **समाप्त** कर दी गई है। संचालन **स्वामी, लीजधारी या नामित केयरटेकर** द्वारा मानकों के अनुसार किया जा सकेगा।
- **डिजिटलीकरण और समय-सीमा:** पंजीकरण प्रक्रिया **ऑनलाइन** की जाएगी; आवेदन के अंतर्गत—
    - **7 कार्य दिवस** में **अस्थायी पंजीकरण** जारी होगा, जिसके आधार पर संचालन शुरू किया जा सकेगा।
    - निरीक्षण के बाद **3 माह** में **स्थायी पंजीकरण** दिया जाएगा, जिसकी **वैधता 2 वर्ष** होगी।
    - निर्धारित समय में प्रमाणपत्र जारी न होने पर आवेदन **स्वतः पंजीकृत (डीम्ड रजिस्टर्ड)** माना जाएगा।
- **विकेन्द्रीकृत पहुँच:** पंजीकरण पर्यटन विभाग के स्थानीय कार्यालयों से होगा; ग्रामीण गृहस्वामी निकटतम **पर्यटक स्वागत केंद्र (टीआरसी)** के माध्यम से भी पंजीकरण कर सकेंगे।
- **अनिवार्य न्यूनतम सुविधाएँ:** होमस्टे **पूर्णतः रिहायशी परिसर** में संचालित होगा और प्रत्येक किराये के कमरे में **अटैच बाथरूम/शौचालय**, पर्याप्त **जल/विद्युत**, **वेंटिलेशन**, **स्वच्छता** और **अग्नि सुरक्षा** मानकों का पालन अनिवार्य होगा। परिसर में **पार्किंग** तथा स्थानीय निकायों के अनुसार **कचरा निस्तारण** व्यवस्था भी आवश्यक होगी।

RASonly

- **विदेशी पर्यटकों का अनुपालन:** प्रत्येक विदेशी पर्यटक की सूचना संबंधित प्राधिकरण को देना और **अतिथि पंजिका कम से कम 7 वर्ष** तक संधारित करना अनिवार्य है।

दो श्रेणियाँ:

  - **सिल्वर:** पंजीकरण शुल्क **₹1,000**
  - **गोल्ड:** पंजीकरण शुल्क **₹2,000**; गोल्ड में **एसी/हीटिंग, इंटरनेट, उन्नत फर्निशिंग, स्मोक डिटेक्टर और सुरक्षा प्रबंध** जैसी सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है।

- **नाश्ता नियम:** यदि टैरिफ में नाश्ता शामिल है तो उसके लिए **अलग शुल्क नहीं** लिया जा सकेगा और इसकी **स्पष्ट जानकारी प्रदर्शित** करनी होगी।

उद्देश्य और लाभ

उद्देश्य

- पर्यटन गतिविधियों का विकेन्द्रीकरण कर **ग्रामीण क्षेत्रों** को पर्यटन मांग से जोड़ना।
- छोटे स्तर के पर्यटन उद्यम को सक्षम बनाकर **ग्रामीण अर्थव्यवस्था** को मजबूत करना।
- **सरल, समयबद्ध और डिजिटल-प्रथम** पंजीकरण के माध्यम से प्रक्रियात्मक बाधाएँ कम करना।

लाभ

- आवास क्षमता बढ़ेगी, जबकि होमस्टे का **घर जैसा/पारिवारिक स्वरूप** भी बना रहेगा।
- छोटे निवेशक, ग्रामीण परिवार और महिला उद्यमियों की **भागीदारी** बढ़ेगी।
- स्थानीय लोगों को **अतिरिक्त आय** और पर्यटकों को **स्थानीय संस्कृति का अनुभव** मिलेगा।
- आसान प्रवेश और सुचारु संचालन से पर्यटन–रोज़गार का संबंध मजबूत होगा।

निष्कर्ष

राजस्थान होमस्टे (पेईंग गेस्ट हाउस) योजना–2026 में कमरे/बेड क्षमता बढ़ाने, स्वामी/परिवार के अनिवार्य निवास की शर्त हटाने और पंजीकरण को पूर्णतः ऑनलाइन व समयबद्ध बनाने जैसे बदलाव किए गए हैं। विकेन्द्रीकृत पंजीकरण सुविधा तथा स्पष्ट न्यूनतम सुविधाओं और अनुपालन मानकों के साथ यह योजना पर्यटन में भागीदारी बढ़ाने, ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ करने और राज्यभर में छोटे आतिथ्य इकाइयों के संचालन को अधिक सरल व प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य करेगी।

बहुविकल्पीय प्रश्न (RAS प्रीलिम्स पैटर्न)

MCQ 1

प्र. राजस्थान होमस्टे (पेईंग गेस्ट हाउस) योजना–2026 के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए:

- प्रति होमस्टे इकाई अधिकतम 8 कमरे और अधिकतम 24 बेड की अनुमति है।

RASonly

- योजना में यह अनिवार्य शर्त बनी हुई है कि स्वामी या परिवार का सदस्य परिसर में निवास करेगा।
  (a) केवल 1
  (b) केवल 2
  (c) 1 और 2 दोनों
  (d) न तो 1, न ही 2
  उत्तर: (a)
  व्याख्या: योजना में अधिकतम 8 कमरे और 24 बेड की अनुमति दी गई है तथा स्वामी/परिवार के परिसर में अनिवार्य निवास की शर्त समाप्त कर दी गई है।

MCQ 2

प्र. योजना की पंजीकरण प्रक्रिया के संदर्भ में कौन-सा विकल्प सही है?
(a) 3 माह में अस्थायी पंजीकरण, 7 कार्य दिवस में स्थायी पंजीकरण, वैधता 5 वर्ष
(b) 7 कार्य दिवस में अस्थायी पंजीकरण; निरीक्षण के बाद 3 माह में स्थायी पंजीकरण; वैधता 2 वर्ष
(c) निरीक्षण के बाद ही अस्थायी पंजीकरण; 2 वर्ष बाद स्थायी पंजीकरण
(d) अस्थायी पंजीकरण का प्रावधान नहीं; संचालन केवल स्थायी प्रमाणपत्र के बाद
उत्तर: (b)
व्याख्या: योजना के अनुसार 7 कार्य दिवस में अस्थायी पंजीकरण जारी होगा, निरीक्षण के बाद 3 माह में स्थायी पंजीकरण दिया जाएगा और इसकी वैधता 2 वर्ष होगी।

MCQ 3

प्र. योजना के अंतर्गत श्रेणी और पंजीकरण शुल्क का सही युग्म कौन-सा है?
(a) सिल्वर—₹2,000; गोल्ड—₹1,000
(b) सिल्वर—₹1,000; गोल्ड—₹2,000
(c) सिल्वर—₹500; गोल्ड—₹1,000
(d) सिल्वर—₹2,500; गोल्ड—₹5,000
उत्तर: (b)
व्याख्या: योजना में होमस्टे को सिल्वर (₹1,000) और गोल्ड (₹2,000) श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है, जहाँ गोल्ड श्रेणी में एसी/हीटिंग, इंटरनेट, स्मोक डिटेक्टर और सुरक्षा प्रबंध जैसी सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है।

RASonly

India AI Impact summit 2026 -visit of the union IT minister to the Rajasthan pavilion and display of AI-based governance projects.

On Saturday, at the India AI Impact Summit 2026, in Bharat Mandapam, New Delhi, Union Minister of Electronics and Information Technology Ashwini Vaishnaw visited the Rajasthan Pavilion. The visit included briefings about the key projects of Rajasthan government in Artificial Intelligence (AI) of the leadership of its Chief Minister Bhajanlal Sharma. These also involve the AI applications in governing, digitisation of citizen-based services and AI applications in health, education,

agriculture, and administrative services. Vaishnaw was pleased with the AI-based governance and digital transformation of Rajasthan and mentioned that these initiatives are consistent with the overall AI strategy of India that is aimed at inclusive, responsible, and citizen-centric development.

Major attractions at the Rajasthan booth during India AI impact summit 2026.

- Venue: Bharat mandapam New Delhi.
- Event: India AI Impact Summit 2026
- Important visit: Ashwini Vaishnaw, the Union Minister, paid a visit to the Rajasthan Pavilion.

State focus areas showcased:

- AI-enabled governance
- Citizen centric services digitised.
- health, education, agriculture, administration AI-based efforts.
- Size of showcase: Approximately, the 20 stalls organized by the Department of Information Technology and Communication.
- Purpose: On the national level, the demonstration of AI potential and the achievements in digital governance of Rajasthan.

Objectives and Benefits

Objectives

- Strengthen, expand digital transformation in Rajasthan Strengthen, expand AI-enabled governance in Rajasthan.
- Exhibit the innovations of technology-based solutions developed by Present Rajasthan nationally by the use of the Rajasthan Pavilion.
- Show citizen-friendly uses of AI in areas of health, education, agriculture, and administration.

Benefits

- Establishes awareness of the AI initiatives in Rajasthan as in line with the global practice of inclusive and responsible AI in India.
- Promotes the broader use of citizen-centered digital service delivery by featuring effective AI applications.
- Makes Rajasthan a rising player in the overall AI ecosystem in India with an organized exhibition.

Conclusion

The Rajasthan Pavilion of the India AI Impact Summit 2026 was a national मंच to showcase the Rajasthan AI and digital governance development with approximately

RASonly

20 technology stands. The fact that AI programs in Rajasthan, including those related to governance and citizen services and health, education, agriculture, and administration, were appreciated by the Union IT Minister is indicative that AI efforts in the state are aligned with the citizen-focused and responsible AI axis of India, making the state more prominent in its visibility in the delivery of services to its citizens technologically.

MCQs (RAS Prelims Pattern)

MCQ 1

Q. Take into account the following statements regarding the Rajasthan Pavilion at the India AI Impact Summit 2026:

1. The top venue was Bharat Mandapam, New Delhi.

2. Aswathi Vaishnaw is a union minister, and she paid her visit to the Rajasthan pavilion at the summit.

(a) 1 only

(b) 2 only

(c) Both 1 and 2

(d) Neither 1 nor 2

Answer: (c)

Explanation : At the India AI Impact summit 2026, which was organized at Bharat Mandam, New Delhi, Ashwini Vaishnaw has paid a visit to the Rajasthan stall.

MCQ 2

Q. Which of the following spheres were part of AI initiatives of Rajasthan which were on display at the Rajasthan Pavilion?

(a) Administrative functions, education, health and agriculture.

(b) Defence manufacturing, space research and sea charting.

(c) Stock market reform, monetary policy and banking regulation.

(d) Exploration, refinery and logistics of shipping the oil.

Answer: (a)

Explanation: The Rajasthan Pavilion used AI in governance, the digitisation of services to citizens, and AI work in health, education, agriculture, and administration.

RASonly

MCQ 3

Q. The rajasthan pavilion was innovative mainly in the following ways:

(a) single flagship AI dashboard only.

(b) DIC has established approximately 20 stalls.

(c) Government non-participation in pavilions of private companies.

(d) A behind the doors ministerial conference without exhibits.

Answer: (b)

Explanation : Rajasthan was able to present its technology innovations at the Rajasthan Pavilion through the use of about 20 stalls at the Department of Information Technology and Communication.

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026—केन्द्रीय आईटी मंत्री का राजस्थान पवेलियन दौरा और एआई आधारित शासन परियोजनाओं का प्रदर्शन

शनिवार को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित **इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026** के दौरान केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री **अश्विनी वैष्णव** ने **राजस्थान पवेलियन** का दौरा किया। इस दौरान उन्हें मुख्यमंत्री **भजनलाल शर्मा** के नेतृत्व में राजस्थान सरकार की **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)** से जुड़ी प्रमुख पहलों की जानकारी दी गई। इन पहलों में **शासन में एआई का उपयोग**, **नागरिक-केंद्रित सेवाओं का डिजिटलीकरण**, तथा **स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और प्रशासनिक सेवाओं** में एआई आधारित प्रयास शामिल हैं। अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान के एआई आधारित शासन और डिजिटल परिवर्तन की सराहना करते हुए कहा कि ये पहलें भारत की समग्र एआई रणनीति के अनुरूप हैं, जो **समावेशी, जिम्मेदार और नागरिक-केंद्रित विकास** पर आधारित है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में 'राजस्थान पवेलियन' की प्रमुख झलकियाँ

- **स्थान:** भारत मंडपम, नई दिल्ली
- **कार्यक्रम:** इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026
- **महत्वपूर्ण दौरा:** केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा राजस्थान पवेलियन का भ्रमण

राज्य के प्रमुख फोकस क्षेत्र:

- एआई सक्षम शासन
- नागरिक-केंद्रित सेवाओं का डिजिटलीकरण

RASonly

- स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और प्रशासन में एआई आधारित प्रयास

- **प्रदर्शन का स्वरूप:** सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा लगभग **20 स्टॉल**
- **उद्देश्य:** राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान की एआई क्षमता और डिजिटल गवर्नेंस में प्रगति का प्रदर्शन

उद्देश्य और लाभ

उद्देश्य

- राजस्थान में **एआई सक्षम शासन** को मजबूत करना और **डिजिटल परिवर्तन** का विस्तार करना।
- **राजस्थान पवेलियन** के माध्यम से राजस्थान की प्रौद्योगिकी आधारित पहलों और नवाचारों को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना।
- स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में एआई के **नागरिक-हितैषी उपयोग** के उदाहरण प्रदर्शित करना।

लाभ

- राजस्थान की एआई पहलों को भारत की **समावेशी और जिम्मेदार एआई** दिशा के अनुरूप पहचान मिलती है।
- नागरिक-केंद्रित डिजिटल सेवा वितरण को प्रभावी एआई अनुप्रयोगों के माध्यम से बढ़ावा मिलता है।
- संगठित प्रदर्शन के जरिए राजस्थान की भूमिका भारत के समग्र एआई पारिस्थितिकी तंत्र में उभरते योगदानकर्ता के रूप में मजबूत होती है।

निष्कर्ष

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में राजस्थान पवेलियन लगभग 20 तकनीकी स्टॉल के माध्यम से राजस्थान की एआई और डिजिटल गवर्नेंस में प्रगति को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर बना। केन्द्रीय आईटी मंत्री द्वारा एआई कार्यक्रमों की सराहना यह संकेत देती है कि राजस्थान के प्रयास—शासन, नागरिक सेवाओं और स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि व प्रशासन से जुड़े एआई अनुप्रयोगों सहित—भारत की नागरिक-केंद्रित और जिम्मेदार एआई दिशा के अनुरूप हैं, जिससे प्रौद्योगिकी आधारित जनसेवा में राज्य की दृश्यता और प्रभाव बढ़ता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (RAS प्रीलिम्स पैटर्न)

MCQ 1

प्र. इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के 'राजस्थान पवेलियन' के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए:

1. आयोजन स्थल भारत मंडपम, नई दिल्ली था।

RASonly

2. केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने समिट के दौरान राजस्थान पवेलियन का दौरा किया।
   (a) केवल 1
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों
   (d) न तो 1, न ही 2
   उत्तर: (c)
   व्याख्या: इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आयोजन भारत मंडपम, नई दिल्ली में हुआ और समिट के दौरान अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान पवेलियन का दौरा किया।

MCQ 2

प्र. राजस्थान पवेलियन में प्रदर्शित राजस्थान की एआई पहलों में निम्न में से कौन-से क्षेत्र शामिल थे?
(a) प्रशासनिक सेवाएँ, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि
(b) रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष अनुसंधान और समुद्री मानचित्रण
(c) शेयर बाजार सुधार, मौद्रिक नीति और बैंकिंग विनियमन
(d) तेल अन्वेषण, रिफाइनरी और शिपिंग लॉजिस्टिक्स
उत्तर: (a)
व्याख्या: राजस्थान पवेलियन में शासन में एआई, नागरिक सेवाओं का डिजिटलीकरण तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और प्रशासन में एआई आधारित प्रयासों को प्रदर्शित किया गया।

MCQ 3

प्र. राजस्थान पवेलियन में नवाचारों का प्रमुख प्रदर्शन किस माध्यम से किया गया?
(a) केवल एक एकल एआई डैशबोर्ड के जरिए
(b) सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा लगभग 20 स्टॉल के माध्यम से
(c) केवल निजी कंपनियों के पवेलियनों के जरिए, बिना सरकारी भागीदारी
(d) प्रदर्शनी के बिना बंद कमरे में मंत्रीस्तरीय बैठक के जरिए
उत्तर: (b)
व्याख्या: राजस्थान के प्रौद्योगिकी नवाचारों को सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा राजस्थान पवेलियन में लगभग 20 स्टॉल के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

RASonly

National Archives of India opens the exhibition exploring the history of the Rajasthan state in the form of the exhibition called India World Heritage: Jaipur in Jawahar Kala Kendra.

The exhibition, entitled the National Archives of India (NAI): the India World Heritage: Rajasthan was opened in the facilities of Jawahar Kala Kendra (JKK), Jaipur on the 22 nd of February. It was inaugurated by the following people, namely, V. Srinivas

(Chief Secretary, Government of Rajasthan), Praveen Gupta (Additional Chief Secretary, Government of Rajasthan), Sanjay Rastogi (Director General, National Archives of India), and Dr Anuradha Gogiya (Additional Director General, Jawahar Kala Kendra). Exhibition is dedicated to the exceptional contribution of Rajasthan to the heritage of the entire humanity, and it is devoted to the Rajasthan and UNESCO World Heritage Sites in Rajasthan and other significant cultural and architectural monuments. With the help of rare archival documents that are held at the National Archives, the choice of visuals and explanatory notes, the exhibition can help visitors to see a broad picture of the historical, cultural and artistic heritage of Rajasthan.

Key Highlights

- Location: Jawahar Kala Kendra, Jaipur.
- Author: National Archives of India (NAI)
- Exhibition name: India, the world heritage, Rajasthan.
- Focal area: UNESCO World Heritage Sites of Rajasthan and the other major cultural/architectural sites.
- Content base: NAI collections of rare archival records, edited images, and interpretive panels.

What the Exhibition Displays.

UNESCO World Heritage Focus

The biggest highlight of the exhibition is the Hill Forts of Rajasthan which are UNESCO-listed:

- Chittorgarh
- Kumbhalgarh
- Ranthambore
- Amer
- Jaisalmer
- Gagaron

These are introduced as an embodiment of Rajput bravery, subjective military dexterity, and building quality.

There are other featured world heritage elements.

- Jantar Mantar
- Historic City of Jaipur
- These are emphasized on scientific successes of India, and a well conceived urban heritage.
- Educational Resources: History and Culture: Regions and Famous People.

RASonly

Historical characters depicted by the use of archival documents and explanatory panels:

- Rani Padmini
- Mirabai
- Maharana Pratap
- Rana Kumbha

This sample represented culture areas:

- Dhundhar
- Marwar
- Mewar
- Hadoti

Training and Education: Training programs cannot be successful without theoretical discussion of the procedure.

- In what was seen as a significant move, NAI held a poster presentation in the first instance, with a view of attracting academic participation and creative expression among the college students and researchers in the country.
- The project was met with a lot of excitement and created a powerful educational dimension to the exhibition.

Statement Highlight

- V. Srinivas observed that with the leadership of the Prime Minister and direction of the Culture Minister NAI has attained new heights. He also cited the displaying of some 30 or 35 thematic portals on the UNESCO World Heritage sites, the history of the Rajasthan and its traditions that illustrate valour, generosity and bravery.
- He emphasized the fact that these exhibitions serve as an interface between archival studies and the people, between the young and the past.

Conclusion

The exhibition of the archival heritage, which is titled India world heritage- Rajasthan, at JKK, Jaipur, places the archival heritage as the learning resource of the people by amalgamating the rare documents, edited images and explanatory texts. The exhibition reinforces heritage awareness, reinforces academic interaction, and encourages better cultural relationships by students and researchers with the legacy of the state of Rajasthan through presenting the UNESCO sites, historic figures, and cultural territories and also introducing a first time poster presentation to students and researchers.

RASonly

MCQs (RAS Prelims Pattern)

MCQ 1

Q. The exhibition India the world heritage: Rajasthan was opened at:

(a) Albert Hall Museum, Jaipur

(b) Jawahar Kala Kendra, Jaipur

Rajasthan International Centre, Jaipur is represented by the following: (c)

(d) City Palace, Jaipur

Answer: (b)

The exhibition was inaugurated by the National Archives of India in Jawahar Kala Kendra (JKK) at Jaipur.

MCQ 2

Q. Based on the following statements regarding the major attractions of the exhibition, consider the following statements:

1. It also included the Hill Forts of Rajasthan that are listed by UNESCO such as Chittorgarh, Kumbhalgarh, Amer, Jaisalmer, Ranthambore and Gagaron.

2. It incorporated some important heritage features such as Jantar Mantar and the Historic City of Jaipur.

(a) 1 only

(b) 2 only

(c) Both 1 and 2

(d) Neither 1 nor 2

Answer: (c)

Rationale: UNESCO-listed hill forts were the focus of the exhibition as well as the Jantar Mantar and the historic city of Jaipur.

MCQ 3

Q. What best characterizes a new initiative presented by the National Archives of India in this exhibition?

(a) State-wide digital mapping of forts with drones.

(b) A poster presentation by first-time presenters of college students and researchers.

RASonly

(c) Compulsory online entrance examination on visitors.

(d) Rajasthan monuments new tourism ticketing.

Answer: (b)

Rationale: NAI launched a poster presentation as it has never been done before to promote academic interest between students and researchers.

राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत द्वारा जवाहर कला केन्द्र, जयपुर में 'भारत की विश्व विरासत: राजस्थान' प्रदर्शनी का उद्घाटन

राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत (एनएआई) की प्रतिष्ठित प्रदर्शनी **'भारत की विश्व विरासत: राजस्थान'** का उद्घाटन **22 फरवरी** को **जवाहर कला केन्द्र (जेकेके), जयपुर** में किया गया। उद्घाटन **वी. श्रीनिवास** (मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार), **प्रवीण गुप्ता** (अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार), **संजय रस्तोगी** (महानिदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत) तथा **डॉ. अनुराधा गोगिया** (अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र) द्वारा किया गया। यह प्रदर्शनी मानवता की साझा धरोहर में राजस्थान के उत्कृष्ट योगदान को रेखांकित करती है और विशेष रूप से राजस्थान के **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों** तथा अन्य महत्वपूर्ण **सांस्कृतिक एवं स्थापत्य स्मारकों** पर केंद्रित है। राष्ट्रीय अभिलेखागार में संरक्षित **दुर्लभ अभिलेखीय दस्तावेजों**, चयनित दृश्यों और व्याख्यात्मक पैनलों के माध्यम से प्रदर्शनी आगंतुकों को राजस्थान की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत का व्यापक परिचय देती है।

प्रमुख बिंदु

- **स्थान:** जवाहर कला केन्द्र, जयपुर
- **आयोजक:** राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत (एनएआई)
- **प्रदर्शनी का नाम:** 'भारत की विश्व विरासत: राजस्थान'
- **मुख्य फोकस:** राजस्थान के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और अन्य प्रमुख सांस्कृतिक/स्थापत्य स्मारक
- **सामग्री आधार:** एनएआई के दुर्लभ अभिलेख, चयनित दृश्य सामग्री और व्याख्यात्मक पैनल

प्रदर्शनी में क्या दिखाया गया

यूनेस्को विश्व धरोहर पर विशेष केंद्र

प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण राजस्थान के यूनेस्को सूचीबद्ध **पहाड़ी दुर्ग** हैं—

- **चित्तौड़गढ़**
- **कुम्भलगढ़**

RASonly

- **रणथंभौर**
- **आमेर**
- **जैसलमेर**
- **गागरोन**

इन दुर्गों को **राजपूत शौर्य**, **सामरिक कौशल** और **स्थापत्य उत्कृष्टता** के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

अन्य प्रमुख विश्व धरोहर तत्व

- **जंतर मंतर**
- **जयपुर का ऐतिहासिक नगर**

इन स्थलों को भारत की **वैज्ञानिक उपलब्धियों** और **सुविचारित शहरी नियोजन परंपरा** के प्रतिबिंब के रूप में प्रमुखता से शामिल किया गया है।

ऐतिहासिक व्यक्तित्व और सांस्कृतिक अंचल

ऐतिहासिक व्यक्तित्व (अभिलेखीय दस्तावेजों व व्याख्यात्मक पैनलों सहित)

- **रानी पद्मिनी**
- **मीराबाई**
- **महाराणा प्रताप**
- **राणा कुम्भा**

सांस्कृतिक अंचल

- **धुंधाड़**
- **मारवाड़**
- **मेवाड़**
- **हाड़ौती**

शैक्षणिक और अकादमिक पहल

- एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में, राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत ने **पहली बार पोस्टर प्रस्तुति** का आयोजन किया।
- इसका उद्देश्य देशभर के **महाविद्यालयीन विद्यार्थियों** और **शोधार्थियों** को अकादमिक सहभागिता और रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित करना था।
- इस पहल को उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला और प्रदर्शनी में एक सशक्त शैक्षणिक आयाम जुड़ा।

RASonly

वक्तव्य से जुड़े प्रमुख बिंदु

- **वी. श्रीनिवास** ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और संस्कृति मंत्री के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत ने नई ऊँचाइयाँ प्राप्त की हैं।
- उन्होंने **लगभग 30–35 विषयगत पोर्टल** प्रस्तुत किए जाने की बात कही, जिनमें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, राजस्थान का इतिहास और शौर्य, उदारता व वीरता से जुड़ी परंपराएँ शामिल हैं।
- उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि ऐसी प्रदर्शनी **अभिलेखीय शोध और जनसामान्य के बीच सेतु** का कार्य करती है तथा युवाओं को इतिहास से जोड़ती है।

निष्कर्ष

जवाहर कला केन्द्र, जयपुर में आयोजित **'भारत की विश्व विरासत: राजस्थान'** प्रदर्शनी दुर्लभ दस्तावेजों, चयनित दृश्य सामग्री और व्याख्यात्मक पैनलों के माध्यम से अभिलेखीय विरासत को जनसामान्य के लिए प्रभावी सीखने का संसाधन बनाती है। यूनेस्को स्थलों, ऐतिहासिक व्यक्तित्वों और सांस्कृतिक अंचलों के समग्र प्रस्तुतीकरण के साथ-साथ विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए **पहली बार पोस्टर प्रस्तुति** जैसी पहल ने प्रदर्शनी को अधिक शैक्षणिक, सहभागितापूर्ण और जन-जागरूकता उन्मुख बनाया है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (RAS प्रीलिम्स पैटर्न)

MCQ 1

प्र. 'भारत की विश्व विरासत: राजस्थान' प्रदर्शनी का उद्घाटन कहाँ किया गया?
(a) अल्बर्ट हॉल संग्रहालय, जयपुर
(b) जवाहर कला केन्द्र, जयपुर
(c) राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर
(d) सिटी पैलेस, जयपुर
उत्तर: (b)
व्याख्या: राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत ने 'भारत की विश्व विरासत: राजस्थान' प्रदर्शनी का उद्घाटन जवाहर कला केन्द्र (जेकेके), जयपुर में किया।

MCQ 2

प्र. प्रदर्शनी के प्रमुख आकर्षणों के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसमें यूनेस्को सूचीबद्ध राजस्थान के पहाड़ी दुर्ग—चित्तौड़गढ़, कुम्भलगढ़, आमेर, जैसलमेर, रणथंभौर और गागरोन शामिल थे।
2. इसमें जंतर मंतर तथा जयपुर के ऐतिहासिक नगर को भी प्रमुखता से शामिल किया गया।
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

RASonly

उत्तर: (c)
व्याख्या: प्रदर्शनी में यूनेस्को सूचीबद्ध पहाड़ी दुर्गों के साथ जंतर मंतर और जयपुर के ऐतिहासिक नगर को भी प्रमुखता दी गई।

MCQ 3

प्र. राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत द्वारा इस प्रदर्शनी में शुरू की गई नई पहल क्या थी?
(a) ड्रोन द्वारा राज्यव्यापी दुर्गों का डिजिटल मानचित्रण
(b) महाविद्यालयीन विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए पहली बार पोस्टर प्रस्तुति
(c) आगंतुकों के लिए अनिवार्य ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा
(d) राजस्थान स्मारकों के लिए नई पर्यटन टिकटिंग व्यवस्था
उत्तर: (b)
व्याख्या: इस प्रदर्शनी में राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत ने पहली बार पोस्टर प्रस्तुति का आयोजन किया, जिससे विद्यार्थियों और शोधार्थियों को अकादमिक सहभागिता और रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहन मिला।

RASonly